भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2586
17.03.2025 को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय तटीय योजना

2586. डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरी :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय तटीय योजना (एनसीएस) के आरंभ से अब तक इसके अंतर्गत शुरू की गई परियोजनाओं का राज्यवार ब्यौरा क्या है और इसके कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) तटीय समुदायों की सहायता करने और पारिस्थितिकी-पर्यटन, मत्स्यपालन और जलकृषि जैसी स्थायी आजीविका विकसित करने में एनसीएस का योगदान क्या है;
(ग) उक्त योजना के अंतर्गत परियोजनाओं की प्रगति और परिणामों की निगरानी के लिए क्या तंत्र मौजूद है;
(घ) सरकार द्वारा देश, विशेषकर आन्ध्र प्रदेश में उक्त योजना के अंतर्गत परियोजनाओं की आयोजना और कार्यान्वयन में तटीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं; और
(ङ) क्या जैव विविधता संरक्षण और आजीविका सृजन के संबंध में उक्त योजना के प्रभाव को बढ़ाने के लिए किन्हीं नई पहलों पर विचार किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (ग): राष्ट्रीय तटीय मिशन योजना (एनसीएम) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) के राष्ट्रीय तटीय प्रबंधन कार्यक्रम के तहत वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक 5 वर्षों की अवधि के लिए 87 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय वाली एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है। इस योजना का परिकल्पित उद्देश्य अनुकूलन और उपशमन संबंधी उपायों के संयोजन के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न जोखिमों और संवेदनशीलताओं को कम करके तटीय समुदायों की सुरक्षा करते हुए तटीय जैव-विविधता का संरक्षण, सुरक्षा और प्रबंधन करना है। इस योजना में निम्नलिखित प्रमुख घटक शामिल हैं:

- मैंग्रोव और प्रवाल भित्तियों का संरक्षण और प्रबंधन
- समुद्री और तटीय पारिस्थितिकी तंत्र संबंधी अनुसंधान एवं विकास

- पर्यावरण की दृष्टि से सुदृढ़ बुनियादी ढांचे और प्रबंधन प्रथाओं के लिए समुद्र तटों का सतत विकास
- समुद्र तट स्वच्छता अभियान सहित पर्यावरण शिक्षा और जागरूकता उपाय

वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2024-25 (28.02.2025 तक) में योजना के व्यय और उपलब्धियों का राज्यवार विवरण **अनुलग्नक-I** के रूप में संलग्न है।

इस योजना के तहत परियोजनाओं की प्रगति और परिणामों की निगरानी में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तथा राष्ट्रीय सतत तटीय प्रबंधन केंद्र, चेन्नई (एनसीएससीएम) के अधिकारियों की एक टीम द्वारा भौतिक प्रगति के आकलन के लिए परियोजना स्थलों का दौरा शामिल है। वित्तीय प्रगति की निगरानी पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की आंतरिक लेखा परीक्षा विंग द्वारा की जाती है। परियोजना के परिणामों के तीसरे पक्ष द्वारा मूल्यांकन का भी प्रावधान है।

(घ) और (ङ) एनसीएम योजना के तहत मंत्रालय द्वारा तटीय और समुद्री प्रदूषण के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से राज्य सरकारों के सहयोग से समुद्र तट कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। स्थानीय समुदाय स्कूलों, कॉलेजों, राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर के छात्रों, तट रक्षक बल के कार्मिकों और स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों, राज्य और केंद्रीय विभागों/संगठनों, स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों, समुदायों, सामाजिक संगठनों, समुद्र तट के उपयोगकर्ताओं आदि के साथ मिलकर ऐसे कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी करते हैं। स्कूलों और कॉलेजों में पेंटिंग, स्लोगन और "*नुक्कड़ नाटक" के माध्यम से भी जागरूकता और संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।* ये कार्यक्रम आंध्र प्रदेश राज्य के अभिज्ञात समुद्र तटों नामत: एनटीआर बीच- काकीनाडा और रामकृष्ण बीच, विशाखापत्तनम में भी आयोजित किए गए हैं। जैव-विविधता संरक्षण और आजीविका सृजन एनसीएम के अभिन्न अंग हैं।

*****

अनुलग्नक-I

वित्त वर्ष 2021-22 से 2024-25 (28.02.2025 तक) की अवधि के लिए राष्ट्रीय तटीय मिशन योजना के तहत परियोजनाओं की स्थिति का विवरण नीचे दिया गया है:

(रुपये लाख में)

क्र. सं.	योजना घटक	राज्य	शुरू की गई परियोजनाएं	व्यय	प्रगति की स्थिति
1.	प्रबंधन कार्य योजना- मैंग्रोव और प्रवाल भित्तियाँ	ओडिशा	भितरकनिका, महानदी, देवी कडुआ में मैंग्रोव का संरक्षण और प्रबंधन।	211.30	पुरा होना।
		तमिलनाडु	पिचवरम, रामनाद, मुथुपेट में मैंग्रोव का संरक्षण और प्रबंधन, तथा मुन्नार की खाड़ी में प्रवाल भित्तियों का संरक्षण और प्रबंधन)।	74.82	
		कर्नाटक	कारवार, होन्नावर, कुंदापुर, मैंगलोर में मैंग्रोव का संरक्षण और प्रबंधन	109.01	
		केरल	वेम्बनाड और कन्नूर में मैंग्रोव का संरक्षण और प्रबंधन।	19.60	
		पश्चिम बंगाल	सुंदरबन में मैंग्रोव का संरक्षण और प्रबंधन ।	88.51	
		गोवा	मंडोवी में एक स्थल पर मैंग्रोव का संरक्षण और प्रबंधन।	98.13	
		गुजरात	खंबात की खाड़ी, कच्छ की खाड़ी, डुमास- उभर्ट में मैंग्रोव का संरक्षण और प्रबंधन तथा कच्छ की खाड़ी में प्रवाल भित्तियों के लिए एक स्थल।	257.37	
2.	समुद्री और तटीय पारिस्थितिकी तंत्र संबंधी अनुसंधान और विकास	उद्देश्य की अपेक्षा के अनुसार तटीय राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में अनुसंधान अध्ययन किए जाते हैं।	भारत में मैंग्रोव का ज़ोनेशन एटलस	62.5	पूरा हो गया है।
			समुद्री अर्थव्यवस्था की संभावनाओं का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय तटीय और समुद्री स्थानिक योजना की रूपरेखा तैयार की गई।		पूरा हो गया है।
			भारत के समुद्र तट के साथ 540 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में मैंग्रोव के विकास के लिए अभिसरण के माध्यम से मिष्टी (तटीय आवास और ठोस आय के लिए मैंग्रोव पहल) कार्यक्रम तैयार किया गया।		पुरा हो गया है।

		आंध्र प्रदेश में पुलिकट झील के लिए स्वीकृत परियोजना सहित तीन शोध परियोजनाएं स्वीकृत	पुलिकट लैगून का पुनरुद्धार, लैगून पारिस्थितिकी तंत्र की निगरानी और लैगून प्रबंधन योजना। तटीय कटाव का आकलन और संधारणीय हस्तक्षेप के लिए सिफारिश - हरित तटीय अवसंरचना। प्रवाल और प्रवाल भित्तियों के लिए स्वास्थ्य मूल्यांकन मानदंड (हेल्थ कार्ड) तैयार किए गए तथा लक्षद्वीप के कदमत और मिनिकॉय द्वीपों के लिए अध्ययन किया गया	67.50 90.00 67.50	कार्य चल रहा है। कार्य चल रहा है। कार्य चल रहा है।
3.	समुद्र तट पर्यावरण एवं सौंदर्य प्रबंधन सेवा के अंतर्गत समुद्र तटों का सतत विकास	ओडिशा	सोनापुर समुद्र तट, जिला गंजम में पर्यावरण अनुकूल बुनियादी ढांचा और प्रबंधन कार्य।	822.25	परियोजना पूरी हुई।
		कर्नाटक	दक्षिण कर्नाटक जिले के तन्निरभावी समुद्र तट पर पर्यावरण अनुकूल अवसंरचना और प्रबंधन कार्य।	823.73	परियोजना पूरी हुई।
4.	पर्यावरण शिक्षा और समुद्र तट स्वच्छता अभियान	गुजरात	वित्त वर्ष 2021-22 से 2024-25 के दौरान स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी के साथ 84 से अधिक समुद्र तट स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए गए।	8.35	कार्य चल रहा है।
		महाराष्ट्र		4.06	
		कर्नाटक		3.95	
		केरल		2.71	
		तमिलनाडु		8.75	
		आंध्र प्रदेश		7.10	
		ओडिशा		2.25	
		पश्चिम बंगाल		4.50	
		लक्षद्वीप		8.31	
		गोवा		5.2	
		पुदुचेरी		9.6	
5.	क्षमता संवर्धन	तटीय क्षेत्र प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन, अहमदाबाद, गुजरात		10.00	पूरा हो गया है।
		दिल्ली में सतत नाइट्रोजन प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन		18.00	पूरा हो गया है।

***